*भारतीय कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों की वार्षिक गणना: 2012-13**

इस लेख में विदेशी देयता और आस्ति संबंधी रिज़र्व बैंक की गणना का 2012-13 के दौर का निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है। निष्कर्ष में उन 13,291 भारतीय निवासी कंपनियों को शामिल किया गया है जिन्हें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त है एवं/या जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश करते हैं। वे 11,579 कंपनियां जिन पर विदेश से निवेश किया गया था उनमें से 7,528 कंपनियां विदेशी कंपनियों की अनुषंगिया थीं। निष्कर्ष में बाजार मूल्य पर विदेश से भारत में और भारत से विदेश में किए गए प्रत्यक्ष निवेश की स्थिति और भारत में किए गए एफडीआई की देशवार/क्षेत्रवार रूपरेखा शामिल है। सहायक कंपनियों के लिए विदेशी संबद्ध व्यापार सांख्यिकी (एफएटीएस) के अंतर्गत बिक्री/खरीद भी प्रस्तुत किया गया है।

I. परिचय

बाजार के बढ़ते वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप भिन्न-भिन्न राष्ट्रों में, जहां प्रत्यक्ष निवेश महत्त्वपूर्ण तत्त्व होने के साथ निवेशक प्राप्तकर्ता अर्थव्यवस्था के फर्म के प्रबंधन के हित को मजबूत करता है, बड़ी मात्रा में निवल वित्तीय प्रवाह देखे गए जिसके चलते और अधिक सकल वित्तीय प्रवाह होने लगा है। एफडीआई, जो सीमा पार वित्तीय प्रवाह का महत्त्वपूर्ण घटक है, की स्थिति तब पैदा होती है जब किसी अर्थव्यवस्था का कोई निवेशक किसी दूसरी अर्थव्यवस्था में निवेश करता है। इससे निवेशकर्ता अर्थव्यवस्था का प्राप्तकर्ता अर्थव्यवस्था के उद्यम के प्रबंधन पर नियंत्रण (50 प्रतिशत या उससे अधिक ईक्विटी शेयर) या काफी प्रभाव (10 प्रतिशत या उससे अधिक ईक्विटी शेयर) बन जाता है।

किसी देश के भुगतान संतुलन (बीओपी) के नजरिए से देखें तो चालू खाता में अधिशेष/ घाटे के वित्तपोषण के लिए अन्य अंतरणों के साथ एफडीआई का सहारा लिया जाता है जिसके चलते राष्ट्र के आस्ति स्वामित्व में निवल बदलाव आता है। सीमा-पार देयताओं/ आस्तियों में भारी परिवर्तन होने से वैश्विक असंतुलन की स्थिति पैदा हो सकती है और स्थानीय तनाव भरी स्थिति का तेजी से फैलने से वित्तीय स्थिरता संबंधी मुद्दे खड़े हो सकते हैं। तदनुसार वैश्विक आर्थिक संकट की शुरुआत से लेकर सूचना संबंधी कमियों को दूर करने के प्रयासों के रूप में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा सीमा-पार निवेश डेटा की उपलब्धता और समय की पाबन्दी पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है।

समन्वित प्रत्यक्ष निवेश सर्वेक्षण (सीडीआईएस) आईएमएफ का विश्वव्यापी सांख्यिकीय डेटा संग्रह प्रयास है जो एफडीआई डेटा की उपलब्धता एवं गुणवत्ता को संपूर्ण एवं निकटतम प्रतिपक्ष अर्थव्यवस्था दोनों दृष्टियों से बेहतर करने के लिए डिजाइन किया गया है। सीडीआईएस आईएमएफ द्वारा 2009 में लागू किया गया था और इसमें देशों की सहभागिता स्वैच्छिक है। सीडीआईएस में देश अपने निकटतम प्रतिपक्षों द्वारा कैलेंडर वर्ष के अंत में ईक्विटी और डेट में बाजार मूल्य पर किए गए प्रत्यक्ष निवेश - आवक और जावक निवेश दोनों की स्थिति की सूचना देते हैं।

भारत द्वारा विदेशी देयताओं और आस्तियों की 30 जून 1948 की स्थिति के अनुसार पहली गणना की गई जिसमें अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और बैंक अधिनियम, 1944 के तहत सूचना एकत्रित की गई थी जब आईएमएफ ने जून 1947 को अपने सदस्य देशों से बीओपी और अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति (आईआईपी) के संबंध में डेटा मांगे थे। इस प्रकार के डेटा बाद की अवधि में भिन्न-भिन्न अंतरालों पर तैयार किए गए थे। 1997 से, जहां सहभागिता 2010 तक अनिवार्य नहीं थी, गणना वार्षिक आधार पर की जा रही है।

भारत सीडीआईएस में इसके 2010वें दौर से भाग ले रहा है जिसके लिए मार्च 2011 में विदेशी देयता और आस्ति (एफएलए)[1] संबंधी वार्षिक विवरणी को विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 के तहत उन भारतीय कंपनियों के लिए अनिवार्य बनाया गया था जिसमें वर्तमान वर्ष के साथ-साथ पिछले वर्ष एफडीआई किया गया था एवं/या जिसके द्वारा विदेश में प्रत्यक्ष निवेश किया गया था। चूंकि भारत का वित्त वर्ष मार्च में समाप्त होता है इसलिए सीडीआईएस के लिए प्रत्यक्ष निवेश की स्थिति की रिपोर्टिंग के लिए मार्च को संदर्भ तारीख माना गया है। इन डेटा का उपयोग समन्वित पोर्टफोलियो निवेश सर्वेक्षण (सीपीआईएस) में भारत की सहभागिता के लिए और

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई के बाह्य देयता और आस्ति सांख्यिकी प्रभाग द्वारा तैयार किया गया।

[1] ये आंकड़े विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (फेमा), 1999 के अंतर्गत रिज़र्व बैंक के वार्षिक प्रकाशन (डीआईआर सीरीज) परिपत्र संख्या 45, दिनांक 15 मार्च 2011 के अनुसार एकत्रित किए गए। विदेशी देयता और आस्ति संबंधी वार्षिक विवरणी का फार्मेट रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in-फॉर्म श्रेणी-फेमा फॉर्म) में उपलब्ध है एवं अधिक विवरण अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न लिंक के अंतर्गत 'विदेशी मुद्रा' खंड में दिए गए हैं।

आईआईपी तथा बीओपी सांख्यिकी तैयार करने में किया जाता है। साथी देश-वार आवक और जावक प्रत्यक्ष निवेश (डेट और ईक्विटी) के संबंध में विस्तृत डेटा (अनंतिम) बाजार मूल्य पर भारत सहित सीडीआईसी-सहभागी देशों के लिए आईएमएफ की वेबसाइट http://cdis.imf.org पर उपलब्ध कराया गया है।

चूंकि एफ़एलए डेटा में एफडीआई, ओडीआई और अन्य निवेशों के कारण भारतीय कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों के बाजार मूल्य के संबंध में व्यापक जानकारी शामिल है इसलिए बकाया स्थिति में हुआ परिवर्तन वर्ष के दौरान बीओपी प्रवाह से भिन्न होगा क्योंकि बकाया स्थिति में मूल्य और विनिमय दर में हुए उतार-चढ़ाव के कारण मूल्यांकन परिवर्तन भी शामिल होगा। विदेशी कंपनियों की भारतीय अनुषंगियों (एक विदेशी निवेशक का कुल ईक्विटी में 50% से अधिक धारिता) के मामले में निर्यात, आयात, देशी बिक्री और खरीद संबंधी जानकारी को भी फैट्स के हिस्से के रूप एकत्रित किया जाता है।

II. कवरेज

2012-13 के दौर के लिए अब तक 14,557 कंपनियों ने एफ़एलए विवरणी प्रस्तुत की है जिनमें से 13,291 कंपनियों के तुलन पत्र में मार्च 2013 के अंत में बकाया एफडीआई/ओडीआई पाए गए। फिर भी कुछ कंपनियों के अनुसार नीचे दिए गए परिणाम अनंतिम हैं। इन 13,291 कंपनियों में से 4.1 प्रतिशत कंपनियों का दु-तरफा प्रत्यक्ष निवेश, 83 प्रतिशत का केवल आवक निवेश तथा 12.9 प्रतिशत का केवल जावक प्रत्यक्ष निवेश था। ₹2,528.2 बिलियन के अंकित मूल्य वाले कुल एफडीआई ईक्विटी शेयर में से 77.5 प्रतिशत का शेयर गैर-वित्त कंपनियों का था।

11,579 कंपनियों में से 11,232 कंपनियां जिनमें आवक प्रत्यक्ष निवेश पाए गए सूचीबद्ध नहीं थीं और 7,528 कंपनियां विदेशी कंपनियों की भारतीय अनुषंगियां थीं। इस प्रकार समग्र स्तर पर देखा जाए तो ऐसी कंपनियों का कुल ईक्विटी में एफडीआई का शेयर अधिक अर्थात् 70.1 प्रतिशत (65.3 प्रतिशत वित्त कंपनियों के और 71.6 प्रतिशत गैर-वित्त कंपनियों के शेयर) था।

III. एफडीआई और ओडीआईः अंकित मूल्य और बाजार मूल्य

प्रत्यक्ष निवेशक व्यक्ति, संबंधित व्यक्तियों के समूह, निगमित या गैर-निगमित उद्यम (सार्वजनिक या निजी) अथवा संबंधित उद्यमों के समूह, सरकार, संपदा, या न्यास या अन्य संगठन जो उद्यमों के मालिक हैं, हो सकते हैं।

कंपनियों द्वारा एफएलए विवरणी में बाजार मूल्य पर ईक्विटी पूंजी की जानकारी दी जाती है। सूचीबद्ध कंपनियों के मामले में शेयरों का मूल्यांकन संदर्भ अवधि की अंतिम तारीख को बाजार मूल्य पर किया जाता है। लगभग 97 प्रतिशत कंपनियां जिनमें आवक प्रत्यक्ष निवेश पाया गया सूचीबद्ध नहीं थीं। इन कंपनियों द्वारा बाजार मूल्यांकन के लिए बही मूल्य की निजी निधि (ओएफबीवी) पद्धति का प्रयोग किया गया। ईक्विटी निवेश की ओएफबीवी, कंपनी की निवल संपत्ति (अर्थात् प्रदत्त ईक्विटी पूंजी, सहभागी अधिमान शेयर, रिज़र्व और अधिशेष का कुल) में अनिवासी की ईक्विटी की धारिता का हिस्सा है।

2012-13 के दौरान भारत के एफडीआई स्टॉक का बाजार मूल्य मार्च 2013 के अंत में ₹817.5 बिलियन बढ़कर ₹11,977.9 बिलियन हो गया जिनमें से लगभग 94 प्रतिशत ईक्विटी था। दूसरी तरफ विदेश का कुल ओडीआई स्टॉक वर्ष के दौरान ₹587.3 बिलियन बढ़कर ₹4,364.3 बिलियन हुआ। इस प्रकार बाजार मूल्य पर आवक की तुलना में जावक प्रत्यक्ष निवेश का अनुपात 33.8 प्रतिशत से बढ़कर 36.4 प्रतिशत हो गया और संबंधित कमी ₹4,364.3 बिलियन से बढ़कर ₹7,613.6 बिलियन हो गई (चार्ट 1)। अंकित मूल्य की तुलना में एफडीआई कंपनियों की ईक्विटी के बाजार मूल्य का अनुपात मार्च 2013 में समग्र स्तर पर 4.4 प्रतिशत रहा लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न रहा।

चार्ट 1: आवक और जावक प्रत्यक्ष निवेश
(बाजार मूल्य पर बिलियन रुपया)

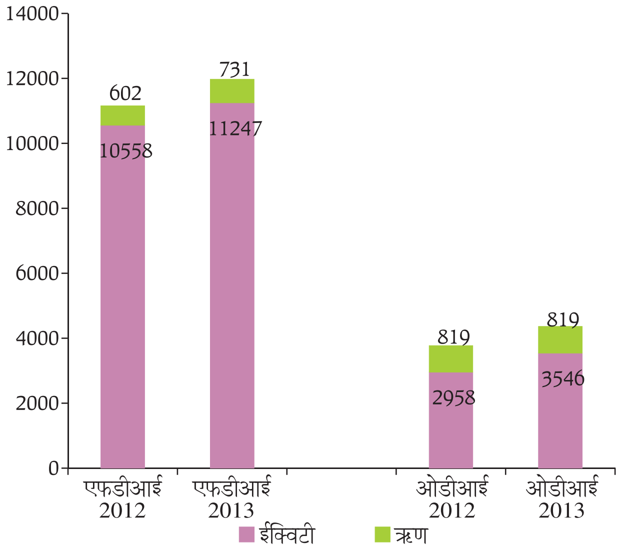

सारणी 1: एफडीआई कंपनियों की क्षेत्र-वार ईक्विटी सहभागिता: मार्च 2013

अंकित मूल्य पर (₹ बिलियन)

क्रियाकलाप	कुल ईक्विटी (निवासी और अनिवासी)	एफडीआई ईक्विटी शेयर
1. कृषि संबंधी, खेती और संबद्ध क्रियाकलाप	11.5	9.7
2. खनन	88.1	51.4
3. विनिर्माण	1,265.8	1,005.8
4. बिजली, गैस, भाप और ऐयर कंडीश्निंग आपूर्ति	213.7	121.5
5. जल आपूर्ति, सीवरेज, वेस्ट प्रबंधन और समाधान गतिविधियां	8.9	8.0
6. निर्माण	193.4	126.4
7. सेवाएं	1,825.4	1,205.5
कुल	**3,606.8**	**2,528.2**

IV. एफडीआई का क्षेत्र-वार वितरण

अंकित मूल्य पर 11,579 एफडीआई कंपनियों के कुल एफडीआई ईक्विटी शेयर में सेवा क्षेत्र का हिस्सा (47.7 प्रतिशत) विनिर्माण क्षेत्र (39.8 प्रतिशत) से अधिक था। सेवा क्षेत्र के अंतर्गत, 'वित्तीय और बीमा गतिविधि' क्षेत्र का हिस्सा अधिक था जबकि विनिर्माण क्षेत्र में मोटर वाहन का हिस्सा अधिक था (चार्ट 2)।

बाजार मूल्य पर कुल एफडीआई का लगभग आधा भाग विनिर्माण क्षेत्र में था जो मार्च 2013 के अंत में ₹5,989.3 बिलियन रहा (एक वर्ष पहले ₹5,868.1 बिलियन)। सूचना और संचार सेवाएं (15.5 प्रतिशत) तथा वित्तीय और बीमा गतिविधियां (13.6 प्रतिशत) एफडीआई के लिए प्रमुख आकर्षण के केंद्र थे। बाजार मूल्य पर एफडीआई के क्षेत्र-वार विवरण सारणी 2 में दिए गए हैं।

V. प्रत्यक्ष निवेश के स्रोत/ गंतव्य स्थान

एफडीआई में मॉरिश्यस का सर्वाधिक हिस्सा (26.4 प्रतिशत) है। युनाइटेड किंगडम (16.4 प्रतिशत) और संयुक्त राष्ट्र अमरीका (15 प्रतिशत) का दूसरा और तीसरा स्थान है। शीर्ष दस स्रोत देशों के प्रत्यक्ष निवेश की मात्रा के साथ-साथ इन स्रोत देशों के जावक निवेश की मात्रा चार्ट 3 में प्रस्तुत की गई है। इन दस देशों का एफडीआई और ओडीआई में क्रमशः 90.8 प्रतिशत और 72.2 प्रतिशत हिस्सा था। सिंगापुर (26.6 प्रतिशत हिस्सा) का ओडीआई गंतव्य-स्थान की दृष्टि से अग्रणी स्थान है और इस क्रम में मॉरिश्यस (14.5 प्रतिशत) एवं नीदरलैंड (13.9 प्रतिशत) का दूसरा और तीसरा स्थान है।

VI. अन्य निवेश

प्रत्यक्ष निवेश (डीआई) में शामिल कंपनियां भी अपनी वित्त संबंधी देयताओं और आस्तियों की जानकारी एफएलए विवरणी में 'अन्य निवेश' के अंतर्गत अलग से प्रस्तुत करती हैं। इनमें व्यापार क्रेडिट, ऋण, मुद्रा और जमाराशि तथा असंबद्ध (तृतीय पक्षकार)

चार्ट 2: शीर्ष दस एफडीआई क्षेत्र: विदेशी और देशी ईक्विटी सहभागिता: मार्च 2013

(अंकित मूल्य पर)

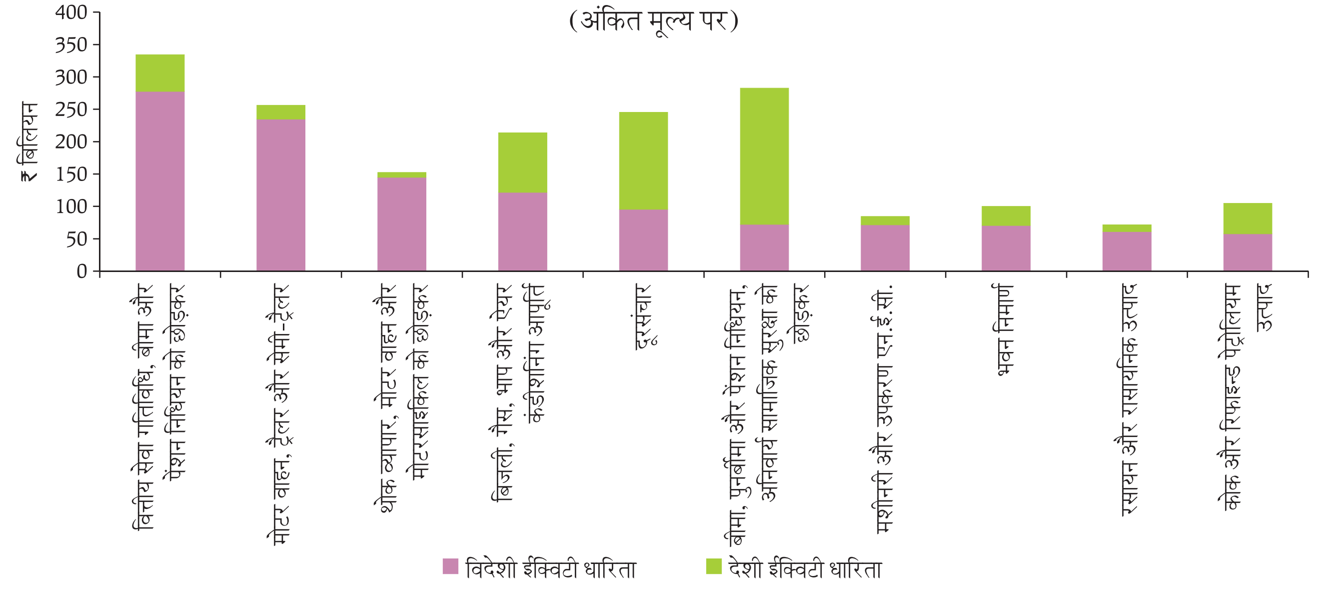

सारणी 2: एफडीआई ईक्विटी और ऋण का क्षेत्र-वार वितरण: मार्च 2013

बाजार मूल्य पर (₹ बिलियन)

क्रियाकलाप	ईक्विटी	ऋण	कुल एफडीआई
क. कृषि संबंधी, खेती और संबद्ध क्रियाकलाप	**37.0**	**0.8**	**37.8**
ख. खनन	**470.7**	**4.4**	**475.1**
ग. विनिर्माण	**5,600.8**	**388.5**	**5,989.3**
जिनमें से:			
रसायन और रासायनिक उत्पाद	660.7	26.5	687.2
तंबाकू उत्पाद	627.3	0.0	627.3
फार्मास्यूटिकल्स, मेडिसिनल केमिकल और बोटेनिकल उत्पाद	575.2	31.6	606.8
खाद्य उत्पाद	507.9	14.7	522.6
मशीनरी और उपकरण	483.9	23.7	507.6
इलेक्ट्रिकल उपकरण	409.3	15.3	424.6
बुनियादी धातु	312.5	5.6	318.1
कोक और रिफाइन्ड पेट्रोलियम उत्पाद	242.7	17.2	259.9
घ. बिजली, गैस, भाप और ऐयर कंडीशनिंग आपूर्ति	**268.6**	**53.6**	**322.2**
ङ. जल आपूर्ति; सीवरेज, वेस्ट प्रबंधन और समाधान गतिविधियां	**10.4**	**0.2**	**10.6**
च. निर्माण	**384.3**	**76.5**	**460.8**
छ. सेवाएं	**4,474.9**	**207.2**	**4,682.1**
जिनमें से			
सूचना और संचार	1,805.9	47.4	1,853.3
वित्तीय और बीमा गतिविधियां	1,618.3	10.5	1,628.8
कुल	**11,246.7**	**731.2**	**11,977.9**

अनिवासी संस्थाओं के अन्य प्राप्य एवं देय खातों के संदर्भ में दावे और देयताएं शामिल हैं किंतु अंतर-कंपनी डेट लेनदेन (अर्थात् प्रत्यक्ष निवेशक और अनुषंगियों, सहायक कंपनियों, मूल कंपनियों, सहयोगी संस्थाओं तथा शाखाओं के बीच निधि उधार लेना तथा देना)को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि इन्हें प्रत्यक्ष निवेश के अंतर्गत शामिल किया गया है। ऋणों में बाह्य वाणिज्यिक उधारी, वित्तीय पट्टे और रीपर्चेस करार, एवं अन्य ऋण तथा अग्रिम शामिल हैं। यदि रिपोर्टिंग डीआई कंपनी बैंक है तो अनिवासी जमाराशियों के साथ-साथ वोस्ट्रो खाते में कोई जमा शेष तथा नोस्ट्रो खाते में अतिदेय को 'बकाया देयता' शीर्ष के अंतर्गत मुद्रा और जमाराशियों के बदले

चार्ट 3: प्रत्यक्ष निवेश - प्रमुख साथी देश: मार्च 2013

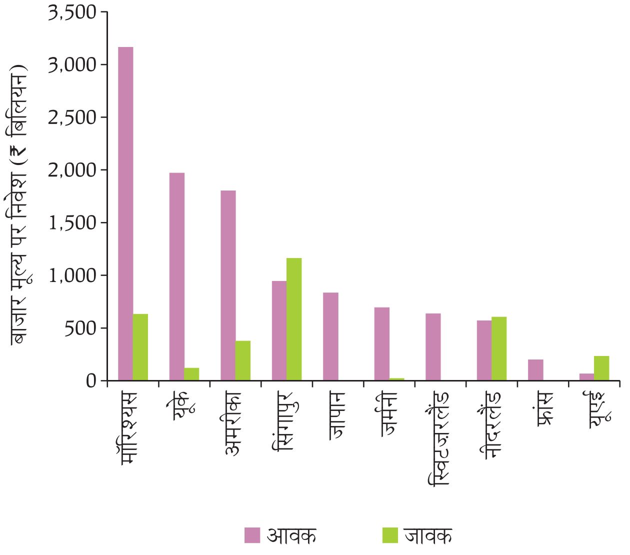

चार्ट 4: प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों के अन्य निवेश: मार्च 2013

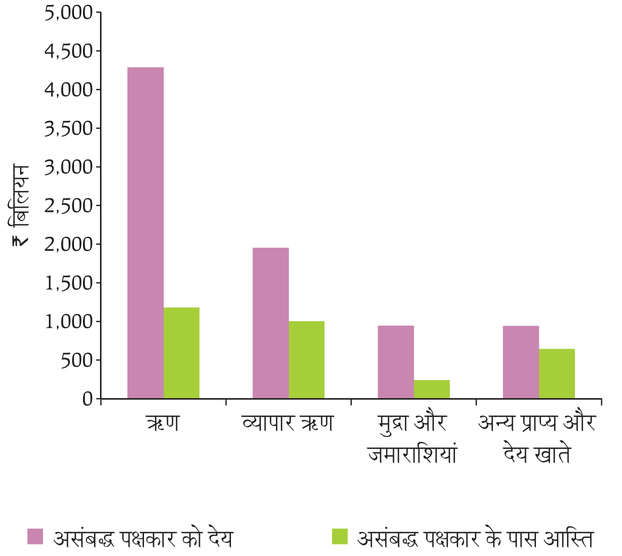

सारणी 3: 2012-13 के दौरान 7528 अनुषंगी कंपनियों के गतिविधि-वार विक्रय और क्रय

(₹ बिलियन)

क्रियाकलाप	राशि		कुल में % हिस्सा	
	विक्रय	क्रय	विक्रय	क्रय
क. कृषि संबंधी, खेती और संबद्ध क्रियाकलाप	**43.7**	**27.4**	**0.4**	**0.4**
ख. खनन	**148.3**	**90.9**	**1.3**	**1.2**
ग. विनिर्माण	**7,307.7**	**5,501.3**	**63.7**	**73.1**
जिनमें सेः				
खाद्य उत्पाद	401	268.3	3.5	3.6
कोक और रिफाइन्ड पेट्रोलियम उत्पाद	933.6	893.2	8.1	11.9
रसायन और रासायनिक उत्पाद	392.4	224.7	3.4	3.0
फार्मास्यूटिकल्स, मेडिसिनल और केमिकल उत्पाद	273.6	156.7	2.4	2.1
बुनियादी धातु	319.9	353.7	2.8	4.7
कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक और ऑप्टिकल उत्पाद	799.5	619.6	7.0	8.2
इलेक्ट्रिकल उपकरण	483.2	378.8	4.2	5.0
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	466.6	295.3	4.1	3.9
घ. बिजली, गैस, भाप और ऐयर कंडीशनिंग आपूर्ति	**72**	**53**	**0.6**	**0.7**
ङ. जल आपूर्ति; सीवरेज, वेस्ट प्रबंधन और समाधान गतिविधियां	**9.9**	**4.5**	**0.1**	**0.1**
च. निर्माण	**223.1**	**126.7**	**2.0**	**1.7**
छ. सेवाएं	**3,659.2**	**1,720.9**	**32.0**	**22.9**
जिनमें सेः				
थोक और खुदरा व्यापार; मोटर वाहन और मोटरसाइकिल की मरम्मत	949.4	840	8.3	11.2
परिवहन और भंडारण	150.1	75.3	1.3	1.0
सूचना और संचार	1,922.3	524.4	16.8	7.0
वित्तीय और बीमा गतिविधियां	129.9	43.3	1.1	0.6
कुल	**11,463.90**	**7,524.70**	**100.0**	**100.0**

* 7,528 अनुषंगी कंपनियों में से 6,144 कंपनियों ने विक्रय की सूचना दी।

शामिल किया जाता है। नोस्ट्रो खाते में जमा शेष तथा वोस्ट्रो खाते में नामे शेष को 'बकाया दावे' शीर्ष के अंतर्गत समान दर्जा दिया जाता है। विविध प्राप्य और देय राशियों (अर्थात् ब्याज का एरियर में भुगतान, ऋण का एरियर में भुगतान, बकाया मजदूरी और वेतन, पूर्वभुगतान बीमा प्रीमियम, बकाया कर से संबंधित खाते) को भी इसमें शामिल किया जाता है।

मार्च 2013 के अंत में अन्य निवेश संबंधी देयताएं ₹8,119.9 बिलियन रहीं जिनमें से ऋण और व्यापार ऋण क्रमशः 52.8 प्रतिशत और 24 प्रतिशत थे। समवर्ती विदेशी आस्तियां इन देयताओं की 37.6 प्रतिशत थीं। इस प्रकार की विदेशी आस्तियों में ऋण और व्यापार ऋण क्रमशः 38.5 प्रतिशत और 32.7 प्रतिशत थे।

VII. भारत में अनुषंगी कंपनियों द्वारा की गई बिक्री/ खरीद

विदेशी सहयोगी कंपनियों की सेवा व्यापार (फैट्स) सांख्यिकी, विदेशी सहयोगी कंपनियों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था में बेची गईं सामग्री या सेवाओं के जरिए विदेश में वाणिज्य की स्थिति का आकलन करता है। एफडीआई सांख्यिकी में मताधिकार का 10% या उससे अधिक के सभी विदेशी ब्याज शामिल हैं जबकि फैट्स में विदेश नियंत्रित सभी सहयोगी कंपनियां (अर्थात् एकल प्रत्यक्ष निवेशक की धारिता ईक्विटी से 50% अधिक है) शामिल हैं। इस प्रकार एफडीआई और फैट्स वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका के संबंधित दो पहलुओं को दर्शाते हैं। एफडीआई में निवेश प्रवाहों के मौद्रिक मूल्य और कंपनी के स्टॉक शामिल हैं जहां विदेशी निवेशक का स्थायी हित है जबकि फैट्स कंपनियों की आर्थिक गतिविधियों (प्रमुख रूप से बिक्री, व्यय, निर्यात और आयात) से संबंधित है जहां विदेशी निवेशक का बड़ा शेयर है।

13,291 कंपनियों में से 7,528 कंपनियां विदेशी अनुषंगियां थीं जिन्होंने एफएलए गणना 2012-13 में रिपोर्ट की थी और उनका मार्च 2013 में कुल ईक्विटी में एफडीआई का हिस्सा 94.3 प्रतिशत था। इनमें से कुछ कंपनियों ने बिक्री/खरीद/निर्यात/आयात की जानकारी नहीं दी क्योंकि हो सकता है कि वे प्रारंभिक अवस्था में रहे हों या कोई अन्य कारण के चलते। इन कंपनियों की कुल बिक्री में निर्यात का हिस्सा 30.6 प्रतिशत था और कुल खरीद में आयात का हिस्सा 44.1 प्रतिशत था।

सारणी 4: 2012-13 के दौरान 7,528 अनुषंगी कंपनियों के गतिविधि-वार निर्यात और आयात

(राशि ₹ बिलियन में)

क्रियाकलाप	राशि		कुल में % हिस्सा	
	निर्यात	आयात	विक्रय में निर्यात	क्रय में आयात
क. कृषि संबंधी, खेती और संबद्ध क्रियाकलाप	**1.7**	**6.3**	**3.9**	**23**
ख. खनन	**6.4**	**16.6**	**4.3**	**18.3**
ग. विनिर्माण	**1,539.6**	**2,642.70**	**21.1**	**48**
जिनमें सेः				
खाद्य उत्पाद	80.2	63.1	20	23.5
कोक और रिफाइन्ड पेट्रोलियम उत्पाद	312.3	706.5	33.5	79.1
रसायन और रासायनिक उत्पाद	84.9	115.3	21.6	51.3
फार्मास्यूटिकल्स, मेडिसिनल और केमिकल उत्पाद	91.5	82.3	33.4	52.5
बुनियादी धातु	39.8	186.4	12.4	52.7
कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक और ऑप्टिकल उत्पाद	190.1	492	23.8	79.4
इलेक्ट्रिकल उपकरण	90.4	146.9	18.7	38.8
मशीनरी और उपकरण एन.ई.सी.	115.9	97.9	24.8	33.2
घ. बिजली, गैस, भाप और ऐयर कंडीशनिंग आपूर्ति	**0.6**	**6.3**	**0.8**	**11.9**
ङ. जल आपूर्ति; सीवरेज, वेस्ट प्रबंधन और समाधान गतिविधियां	**1**	**0.3**	**10.1**	**6.7**
च. निर्माण	**24.1**	**18.5**	**10.8**	**14.6**
छ. सेवाएं	**1,936.1**	**625.3**	**52.9**	**36.3**
जिनमें सेः				
थोक और खुदरा व्यापार; मोटर वाहन और मोटरसाइकिल की मरम्मत	116.6	395.2	12.3	47
परिवहन और भंडारण	50.7	19.5	33.8	25.9
सूचना और संचार	1510	160.5	78.6	30.6
वित्तीय और बीमा गतिविधियां	61.1	5	47	11.5
कुल	**3,509.50**	**3,316.00**	**30.6**	**44.1**

* 7,528 अनुषंगी कंपनियों में से 4,470 कंपनियों ने निर्यात की सूचना दी।

7,528 अनुषंगी कंपनियों की निर्यात सहित कुल बिक्री 19.3 प्रतिशत बढ़कर 2012-13 में ₹11,463.9 बिलियन (2011-12 में ₹9,606.2 बिलियन) हो गई। कुल बिक्री में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 63.7 प्रतिशत रहा जबकि सूचना और संचार सेवाओं के हिस्से में 16.8 प्रतिशत की और वृद्धि हुई। विनिर्माण क्षेत्र की आयात सहित खरीद का कुल मूल्य 20.1 प्रतिशत बढ़कर 2012-13 में ₹7,524.7 बिलियन (2011-12 में ₹6,263.1 बिलियन) हुआ। इस प्रकार उनकी बिक्री की तुलना में खरीद के मूल्य का अनुपात लगभग 65 प्रतिशत रहा (सारणी 3)।

समग्र स्तर पर देखें तो 7,528 अनुषंगी कंपनियों का निर्यात 19.9 प्रतिशत बढ़कर 2012-13 में ₹3,509.5 बिलियन (2011-12 में ₹2,927.6 बिलियन) हो गया। सूचना और संचार सेवा, प्रमुख निर्यात-प्रभुत्व क्षेत्र थे जिनका 2012-13 में अनुषंगी कंपनियों के कुल निर्यात में 43 प्रतिशत हिस्सा था। प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात का 'सूचना और संचार कंपनियों' की बिक्री में 78.6 प्रतिशत हिस्सा था। इनका आयात 23.4 प्रतिशत बढ़कर 2012-13 में 3,316.0 बिलियन (2011-12 में 2,686.7 बिलियन) हो गया। विनिर्माण क्षेत्र के अंतर्गत प्रमुख आयात क्षेत्रों में 'कोक और रिफाइन्ड पेट्रोलियम उत्पाद' तथा 'कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक एवं ऑप्टिकल उत्पाद' शामिल हैं (सारणी 4)।

VIII. निष्कर्ष

भारत में एफडीआई बढ़ रहा है और भारतीय कंपनियों द्वारा भी विदेशों में बड़ी मात्रा में निवेश किए जा रहे हैं। इसमें प्रस्तुत परिणाम निवेश के बाजार मूल्य पर आधारित है। चूंकि 97 प्रतिशत रिपोर्टकर्ता कंपनियां सूचीबद्ध नहीं हैं इसलिए इन कंपनियों ने अपने निवेश के बाजार मूल्यांकन के लिए ओएफबीवी पद्धति को अपनाया है। विनिर्माण, 'वित्तीय और बीमा सेवाओं' तथा 'सूचना और संचार सेवाओं' का भारत के आवक प्रत्यक्ष निवेश में बड़ा हिस्सा है। जावक प्रत्यक्ष निवेश का हिस्सा रिपोर्टकर्ता कंपनियों के आवक प्रत्यक्ष निवेश की एक तिहाई से भी अधिक था। इस प्रकार विदेशी व्यापार का अनुषंगी कंपनियों के कारोबार में भारी हिस्सा था।